हिन्दी साप्ताहिक

R.N.I. No. UPHIN/2022/83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 19 | लखनऊ शनिवार 10 मई 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

दुस्साहस करने वालों के मंसूबे को मिनटों में चकनाचूर कर देती है हमारी यूपी पुलिस : योगी

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब यूपी में कानून व्यवस्था का राज है। बीते आठ साल में यूपी अपराध और माफिया मुक्त हुआ है। अब यहां निवेश और व्यापार का बढ़िया माहौल है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को लखनऊ के होटल क्लार्क अवध में आयोजित इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इबजा) के कॉन्क्लेव को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने बीते आठ साल में राज्य की अर्थव्यवस्था और कानून व्यवस्था को मजबूत करने में हुई उल्लेखनीय प्रगति की विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने एसोसिएशन से आग्रह किया कि वे उत्तर प्रदेश में जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है। यह अपराध और माफिया मुक्त प्रदेश बन चुका है। सबको पता है कि दुस्साहसियों के दुस्साहस को यूपी पुलिस मिनटों में चकनाचूर कर देती है। सीएम योगी ने जेम एंड ज्वैलरी से जुड़े व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार हर कदम पर आपके साथ है। सीएम योगी ने लखनऊ में कॉन्क्लेव के आयोजन के लिए इबजा को विशेष रूप से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देगा, बल्कि सरकार के आठ साल बेमिसाल अभियान को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आर्थिक विकास में जेम्स एंड ज्वैलर्स का महत्वपूर्ण योगदान : सीएम योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग की भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश की जीडीपी में 7 प्रतिशत का योगदान देता है और आयात शुल्क तथा जीएसटी के माध्यम से भी इसका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग न केवल आर्थिक विकास में योगदान देता है, बल्कि रोजगार सृजन और वैश्विक बाजार में भारत की पहचान को भी मजबूत करता है।

यूपी में सुरक्षा और कानून व्यवस्था में हुआ है सुधार : मुख्यमंत्री ने पिछले एक दशक में देश और विशेष रूप से पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा और कानून व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले यूपी में कानून व्यवस्था की स्थिति बदहाल थी। पर्व–त्योहारों पर अशांति, दंगे और व्यापारियों व बेटियों की असुरक्षा आम थी लेकिन 2017 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए बीजेपी को जनादेश दिया। आज यूपी न केवल दंगा मुक्त, बल्कि माफिया मुक्त भी हो गया है। सभी पर्व–त्योहार चाहे वे किसी भी जाति या धर्म से संबंधित हों, शांति और सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं। इस बेहतर माहौल ने व्यापार और निवेश के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनाई हैं। उन्होंने कहा कि आज यूपी में वर्ल्ड–क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो व्यापारियों के लिए अनंत संभावनाएं प्रदान करती हैं। जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना का किया आह्वान : सीएम योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना का आह्वान करते हुए इसे यूपी की अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने इबजा से एक ऐसा मॉडल तैयार करने का आग्रह किया, जिसमें डिजाइन, तकनीक, प्रोसेसिंग, पैकेजिंग, सप्लाई चेन और निर्यात को शामिल किया जाए। उन्होंने कहा कि यूपी 25 करोड़ की आबादी वाला विशाल राज्य है और आसपास के क्षेत्रों को जोड़कर यह 30 करोड़ लोगों के व्यापार, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा की जरूरतों को पूरा करता है। सीएम ने कहा कि इस बाजार का लाभ उठाने के लिए हमें आधुनिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि सरकार सुरक्षा और संवाद के माध्यम से व्यापारियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करेगी।

सीएम ने की सेफ सिटी और तकनीकी प्रगति की चर्चा : मुख्यमंत्री ने सेफ सिटी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि पुलिस का रिस्पॉन्स टाइम, जो पहले 25–30 मिनट था, अब 7–8 मिनट तक कम हो गया है। इसके अलावा, 2017 में जहां पूरे प्रदेश में केवल एक साइबर थाना था, वहीं आज हर जनपद में साइबर थाना और हेल्पडेस्क स्थापित किए गए हैं। फॉरेंसिक अपराधों को रोकने के लिए हर जनपद में थाना और लैब्स की स्थापना की गई है और पिछले साल एक फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट भी स्थापित किया गया है। सीएम ने व्यापारिक प्रतिष्ठानों से सीसीटीवी कैमरों का उपयोग बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पहले डीवीआर वाले सीसीटीवी कैमरे लगाए जाते थे, लेकिन अब बिना डीवीआर वाले आधुनिक कैमरे लगाए जा रहे हैं। इस तकनीक ने बड़ी घटनाओं का त्वरित अनावरण संभव बनाया है। यूपी पुलिस किसी भी अपराधी के दुस्साहस को मिनटों में चकनाचूर कर सकती है।

व्यापारियों से की अपील, जताया विश्वास : अंत में सीएम योगी ने इबजा और व्यापारियों से अपील की कि वे इस अनुकूल माहौल का लाभ उठाकर अपने व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग न केवल यूपी, बल्कि पूरे देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, और नई पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आपके साथ है।

हम मिलकर यूपी को एक नई दिशा देंगे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, इबजा के राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र मेहता, नॉर्थ इंडिया हेड अनुराग रस्तोगी, डायरेक्टर सुमित रस्तोगी, अजय अग्रवाल, धर्मेन्द्र गुप्ता, उमेश पाटिल सहित अन्य पदाधिकारीगण एवं व्यापारी मौजूद रहे।

क्या है एस–400 मिसाइल सिस्टम और हार्पी ड्रोन्स, जिनसे भारत ने पाकिस्तानी हमले को किया नाकाम

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत ने एस–400 मिसाइल सिस्टम से पाकिस्तान के हमले की कोशिश को नाकाम कर दिया। पाकिस्तान ने भारत के कई शहरों में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की नापाक कोशिश की थी, लेकिन एस–400 वायु रक्षा प्रणाली के सामने उसकी एक न चली और उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा। भारतीय वायुसेना ने बुधवार रात भारत की तरफ आ रहे टारगेट्स को वायु रक्षा प्रणाली श्एस–400 सुदर्शन चक्र मिसाइल सिस्टमश से निशाना बनाया। न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, एस–400 से सफलतापूर्वक सभी टारगेट्स को तबाह कर दिया गया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के वायु सुरक्षा प्रणाली को निशाना बनाने के लिए हार्पी ड्रोन्स का इस्तेमाल किया।

क्या है एस–400 वायु रक्षा प्रणाली

एस–400 वायु रक्षा प्रणाली उपकरणों का एक नेटवर्क है, जिसे हवाई खतरों से निपटने के लिए किसी विशिष्ट क्षेत्र में तैनात किया जाता है। यह दुश्मन के लड़ाकू विमानों, मिसाइलों और ड्रोन्स को हवा में ही निशाना बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भारतीय वायुसेना के सबसे ताकतवर हथियारों में से एक माना जाता है। यह किसी भी संभावित खतरे को हवा में ही तबाह करने में सक्षम है। एस–400 मिसाइल सिस्टम को चीन और पाकिस्तान के खतरे को ध्यान में रखकर तैनात किया गया है। इसकी रेंज 40 से 400 किलोमीटर के बीच है। भारत और रूस के बीच साल 2018 में एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम का सौदा हुआ था। सौदे के तहत भारत को एस–400 मिसाइल सिस्टम की तीन रेजीमेंट मिल चुकी हैं। भारत को अभी दो और रेजीमेंट मिलनी हैं, लेकिन रूस–यूक्रेन युद्ध की वजह से उनमें देरी हुई है और अब उनके साल 2026 में मिलने की उम्मीद है।

एस–400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम के एक रेजीमेंट में आठ लॉन्चर होते हैं। मतलब आठ लॉन्चिंग ट्रक और हर एक ट्रक में चार लॉन्चर होते हैं। हर लॉन्चर से चार मिसाइलें निकलती हैं। मतलब एक रेजीमेंट कभी भी 32 मिसाइलें दाग सकता है। यह आसमान से घात लगाकर आने वाली किसी भी मिसाइल को पलक झपकते ही बर्बाद करने की क्षमता रखता है। यह दुनिया की सबसे सटीक एयर डिफेंस सिस्टम है। खास बात ये है कि किसी भी क्षेत्र से आने वाले न्यूक्लियर मिसाइल को भी ये हवा में ही नष्ट करने की क्षमता रखता है। इसके जरिए दुश्मनों की सीमा के अंदर भी नजर रखी जा सकती है।

इस मिसाइल सिस्टम को नाटो द्वारा एसए–21 ग्रोवलर भी कहा जाता है। माइनस 50 से माइनस 70 डिग्री सेल्सियस तक तापमान में ये काम करने की क्षमता रखता है। इस

मिसाइल को नष्ट कर पाना भी काफी मुश्किल होता है, क्योंकि इसकी कोई तय जगह नहीं होती है। इसे असानी से डिटेक्ट भी नहीं किया जा सकता है।

एस–400 मिसाइल की खासियत

एस–400 चार रेंज की मिसाइलें होती हैं। ये 40, 100, 200 और 400 किलोमीटर की दूरी तक दुश्मन के किसी भी हथियार को नष्ट करने की क्षमता रखती हैं।

यह 100 से 40 हजार फीट तक उड़ने वाले हर टारगेट को नष्ट करने की क्षमता रखता है।

यह सिस्टम मिसाइल, एयरक्राफ्ट या फिर ड्रोन से हुए किसी भी तरह के हमले से निपटने में सक्षम है।

भारत ने हार्पी ड्रोन्स से पाकिस्तान के रडार सिस्टम को किया तबाह

पाकिस्तान के हमले की कोशिश को नाकाम करने के बाद भारत ने भी मुंहतोड़ जवाब देते हुए पाकिस्तान के रडार सिस्टम को निशाना बनाया और लाहौर स्थित रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। भारत ने हार्पी ड्रोन्स की मदद से पाकिस्तानी रडार सिस्टम को निशाना बनाया। हार्पी ड्रोन्स को इस्राइल की कंपनी इस्राइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज द्वारा विकसित किया गया है। यह उन्नत श्रेणी का लोइटरिंग म्युनिशन सिस्टम है, जो हवा में मंडराते हुए दुश्मन पर नजर रखता है और इशारा मिलते ही उसे तबाह कर देता है।

हार्पी ड्रोन्स की खासियत ये है कि इसे निगरानी के साथ ही हमले के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। दुश्मन की वायु सुरक्षा प्रणाली को तबाह करने में इस ड्रोन का लोहा दुनिया मानती है। यह ड्रोन 9 घंटे तक लगातार उड़ान भर सकता है और एक हजार किलोमीटर तक की रेंज में हमला कर सकता है। इस खासियत की वजह से यह ड्रोन दुश्मन देश में काफी भीतर तक हमला करने में सक्षम है। यह ड्रोन इलेक्ट्रो ऑप्टिकल, इंफ्रारेड और फारवर्ड लुकिंग इंफ्रारेड सेंसर्स से लैस है। इस ड्रोन में निगरानी के लिए सीसीडी कैमरा भी लगा है और यह रडार को चकमा देने में सक्षम है।

पाकिस्तान ने भारत में कई ठिकानों को निशाना बनाने की नाकाम कोशिश की : पाकिस्तान ने बुधवार की रात भारत के उत्तरी और पश्चिमी शहरों पर हमले की कोशिश की, लेकिन भारतीय सशस्त्र बल पूरी तरह से सतर्क थे और उन्होंने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के इस हमले को नाकाम कर दिया। पाकिस्तानी सेना ने भारत के श्रीनगर, जम्मू, अमृतसर, जालंधर, लुधियाना आदि शहरों में ड्रोन्स और मिसाइल से हमले की नाकाम कोशिश की थी। पाकिस्तान ने आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़ में स्थित सैन्य ठिकानों पर भी हमले की नापाक कोशिश की, लेकिन सभी हमले नाकाम कर दिए गए। इसके बाद भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान के कई ठिकानों पर मौजूद एयर डिफेंस रडार सिस्टम को निशाना बनाया।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पीएम मोदी की उच्चस्तरीय बैठक, सुरक्षा और तैयारियों पर दिया जोर

संवाददाता

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के एक दिन बाद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव को देखते हुए पीएम मोदी ने गुरुवार को अलग–अलग मंत्रालयों के सचिवों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने मंत्रालयों द्वारा वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए की जा रही योजनाओं और तैयारियों की समीक्षा की। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत–पाकिस्तान में बढ़ते तनाव को देखते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को अलग–अलग मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। बैठक के दौरान पीएम मोदी ने सुरक्षा और ऑपरेशनल तैयारियों को लेकर सतर्कता बनाए रखने और स्पष्ट संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। पीएम मोदी ने कहा कि देश इस संवेदनशील दौर से गुजर रहा है, ऐसे में सतर्कता, संस्थागत समन्वय और साफ–साफ बातचीत जारी रखना आवश्यक है। साथ ही पीएम मोदी ने सरकार की राष्ट्रीय सुरक्षा, ऑपरेशनल तैयारियों और नागरिकों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता को भी दोहराया।

पीएमओ ने दी जानकारी : मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक में नागरिक रक्षा तंत्र को मजबूत करने, गलत जानकारी और फेक न्यूज का मुकाबला करने, और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित

करने पर चर्चा की गई। मंत्रालयों को राज्य अधिकारियों और जमीनी स्तर के संस्थानों के साथ करीबी समन्वय बनाए रखने की सलाह दी गई।

पीएम ने स्थिति से निपटने के लिए तैयारियों की ली समीक्षा : बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने मंत्रालयों द्वारा वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए की जा रही योजनाओं और तैयारियों की समीक्षा की। साथ ही सचिवों को अपने मंत्रालयों की कार्यप्रणाली की विस्तृत समीक्षा करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया, आंतरिक संवाद प्रणालियों और तैयारियों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए। बता दें कि बैठक में केंद्रीय सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और रक्षा, गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, सूचना एवं प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और दूरसंचार मंत्रालयों के सचिव भी मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर के एक दिन बाद बैठक : गौरतलब है कि पीएम मोदी ने यह बैठक भारतीय सेना के तरफ से पाकिस्तान और आतंकियों पर चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के एक दिन बाद की है। इस ऑपरेशन के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकवादी ठिकानों पर मिसाइल हमले किए थे।

इन ठिकानों में जैश–ए–मोहम्मद का बहावलपुर मुख्यालय और लश्कर–ए–तैयबा का मुरिदके बेस शामिल था।

भारतीय सेना में पहली महिला होने की लंबी लड़ाई लड़ी सुप्रीम कोर्ट भी कर चुका है इनकी तारीफ

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर से सुर्खियों में आईं कर्नल सोफिया कुरैशी भारतीय सेना में महिलाओं के लिए प्रेरणा हैं। उनके संघर्ष और योगदान को सुप्रीम कोर्ट ने भी 2020 में स्थायी कमीशन पर फैसले के दौरान सराहा था, जिसमें महिलाओं को सिर्फ स्टाफ ड्यूटी तक सीमित रखना अनुचित बताया गया था। कर्नल सोफिया कुरैशी ऑपरेशन सिंदूर के बाद से लगातार चर्चा में चल रहीं हैं। हालांकि भारतीय सेना में शुरुआत से लेकर अब तक कर्नल कुरैसी का सफर इतना आसान भी नहीं रहा है। उन्हें भारतीय सेना में पहली महिला होने के लिए एक लंबी लड़ाई लड़नी पड़ी, लेकिन एक समय ऐसा भी आया कि कर्नल कुरैशी भारतीय सेना में महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बनकर सामने आईं। यही कारण है कि सेना के उनके संघर्ष और अतुल्य योगदान को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने भी 2020 में भारतीय सेना में स्थायी कमीशन (पीसी) देने के अपने एक फैसले में कर्नल कुरेशी की तारीफ की थी। बता दें कि भारत की सेना में महिलाओं को स्थायी कमीशन (पीसी) देने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में एक अहम फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि सेना में महिलाओं को केवल स्टाफ ड्यूटी तक सीमित रखना और उन्हें कमांड नियुक्तियों से वंचित करना कानून के अनुसार सही नहीं है। इस फैसले में कर्नल सोफिया कुरैशी की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने महिला अधिकारियों के योगदान को भी सराहा था। कोर्ट ने 17 फरवरी 2020 को अपने फैसले में कहा था कि महिलाओं को केवल स्टाफ नियुक्तियों तक सीमित रखना सेना में करियर के अवसरों को पूरा नहीं करता है। इसके साथ ही कोर्ट ने यह भी कहा कि महिलाओं को कमांड पोस्टिंग से बाहर रखना बिना किसी ठोस कारण के उचित नहीं है।

कर्नल सोफिया कुरैशी की विशेष उपलब्धियां कर्नल सोफिया कुरैशी, जो भारतीय सेना के सिग्नल कोर में अधिकारी हैं, 2016 में श्एक्सरसाइज फोर्स 18श नामक एक अंतर्राष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारतीय सेना के दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनीं। यह अभ्यास भारत द्वारा आयोजित किया गया था और यह ASEAN देशों के बीच शांति बनाए रखने के लिए आयोजित किया गया था। कर्नल कुरैशी ने 2006 में कांगो में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भी भाग लिया, जहां उनका काम संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में शांति बनाए रखना और मानवीय सहायता प्रदान करना था। इसके अलावा, उन्होंने उत्तर–पूर्वी भारत में बाढ़ राहत अभियानों में भी हिस्सा लिया था।

पूर्व राजनयिक ने ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की, बोले– सैन्य दृष्टिकोण से यह हमला अहम

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत के ऑपरेशन सिंदूर को दुनियाभर में समर्थन मिल रहा है। भारत के पूर्व राजनयिक फैबियन ने भी ऑपरेशन सिंदूर की तारीफ की है। उन्होंने इस ऑपरेशन को संतुलित और सुनियोजित बताया है। भारत ने 6–7 मई की मध्य रात्रि को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। भारत ने 25 मिनट के भीतर पाकिस्तान के नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर पहलगाम आतंकी हमले का हिसाब बराबर कर लिया। हर कोई भारत की सैन्य कार्रवाई का समर्थन कर रहा है। इसी कड़ी में पूर्व राजनयिक केपी फैबियन ने भी गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर की प्रशंसा की। उन्होंने इस ऑपरेशन को संतुलित और सोच–समझकर किया गया बताया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के हमले से पाकिस्तान दहल गया है, लेकिन वह खुद को असहाय नहीं दिखाना चाहता है।

भारतीय हमले की गूंज पाकिस्तान में दूर तक गई है : उन्होंने एएनआई समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने बिना पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में प्रवेश

किए ही हमला किया है। पुलवामा हमले के बाद ऐसा पहली बार हुआ है। फैबियन ने कहा कि भारतीय हमले की गूंज पाकिस्तान में बहुत दूर तक गई है। इसके साथ ही यह हमला सैन्य दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद जवाबी कार्रवाई करने का वादा किया है, क्योंकि वह खुद को असहाय नहीं दिखाना चाहते हैं। पाकिस्तान खुद को असहाय नहीं दिखाना चाहता है : फैबियन ने पाकिस्तान की गीदड़भभकी को लेकर कहा कि पाकिस्तान ऑपरेशन सिंदूर के बाद से खुद को असहाय नहीं दिखाना चाहता है। पाकिस्तान खुद इस दुविधा में है कि क्या जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए, अगर करनी है, तो कैसे जवाबी कार्रवाई करनी चाहिए। पहले की एक रिपोर्ट में उन्होंने कहा था कि हमने पहले ही जवाबी कार्रवाई कर दी है। लेकिन उस बयान का कोई आधार नहीं था। वह शायद भारतीय विमानों को मार गिराने के बारे में झूठे दावों का जिक्र कर रहे थे।

दक्षिण एशिया में एक और युद्ध नहीं चाहते ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत–पाकिस्तान के बीच जारी तनाव पर गहरी चिंता जाहिर की थी। इस पर फैबियन ने जोर देकर कहा कि डोनाल्ड ट्रंप दक्षिण एशिया में एक और बड़ा युद्ध नहीं चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने पहले यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने का वादा किया था। ऐसे में वे राष्ट्रपति बनने के बाद दक्षिण एशिया में एक और बड़ा युद्ध नहीं चाहते हैं। फैबियन ने आगे कहा कि चीन पाकिस्तान का सहयोगी है।

भारत हमले का मुंहतोड़ जवाब देगा, पाकिस्तान से तनाव के बीच ईरान के साथ बैठक में बोले जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के साथ बैठक में कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकी ढांचे पर लक्षित हमला किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य स्थिति को और बिगाड़ना नहीं था, लेकिन सैन्य हमले पर पाकिस्तान को सख्त जवाब दिया जाएगा। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ भारत–ईरान संयुक्त आयोग की बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सख्त रवैया दिखाते हुए पाकिस्तान को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत को सीमा पार आतंकी ढांचे पर हमला करके जवाब देना पड़ा। उन्होंने कहा कि भारत की प्रतिक्रिया लक्षित और सटीक थी, और स्थिति को और बिगाड़ने का उद्देश्य नहीं था। साथ ही जयशंकर ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर भारत पर सैन्य हमला होता है, तो भारत और भी मजबूती से जवाब देगा। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत पाकिस्तान के साथ स्थिति को बढ़ाने का इरादा नहीं रखता है, लेकिन अगर देश पर सैन्य हमले होते हैं, तो इसे बहुत कड़े जवाब से निपटा जाएगा। उन्होंने कहा कि 7 मई को पहलगाम हमले के बाद भारत ने सीमा पार आतंकवादियों के ढांचे पर लक्षित और मापी गई कार्रवाई की। जयशंकर ने कहा कि यह हमला हमें 7 मई को सीमा पार आतंकवादी ढांचे पर हमले के लिए मजबूर कर दिया। हमारा जवाब लक्षित और मापी गया था। जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत का उद्देश्य स्थिति को बढ़ाना नहीं है, लेकिन अगर सैन्य हमले होते हैं तो उसे ष्बहुत सख्तष जवाब दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि ईरान को इस स्थिति को समझना जरूरी है क्योंकि वह भारत का करीबी साझीदार और पड़ोसी है। वहीं संयुक्त आयोग की बैठक को लेकर भारत में ईरान के दूतावास ने एक्स पर पोस्ट में कहा संयुक्त आयोग की बैठक हर साल होनी चाहिए, लेकिन कोविड–19 महामारी और दोनों देशों की घरेलू व्यस्तताओं के कारण कुछ समय के लिए रुक गई। दूतावास ने आगे कहा कि इस बैठक में दोनों देशों के बीच हुए आर्थिक समझौतों की नवीनतम स्थिति की समीक्षा की जाएगी और उसका पालन किया जाएगा। ईरानी विदेश मंत्री अराघची की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 लोगों की धर्म पूछकर हत्या कर दी थी।

सम्पादकीय

ट्रेड वॉर का द्वितीयक प्रभाव

इस साल की पहली तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 0.3 प्रतिशत सिकुड़ी। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका कारण ट्रेड वॉर का द्वितीयक प्रभाव है। इसका प्राथमिक प्रभाव तो अगली तिमाहियों में देखने को मिलेगा। तब और बुरी खबरें आ सकती हैं। डॉनल्ड ट्रंप के छेड़े व्यापार युद्ध का पहला बड़ा झटका अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लगा है। 2025 की पहली तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था 0.3 प्रतिशत सिकुड़ गई। विशेषज्ञों के मुताबिक इसका कारण ट्रेड वॉर का द्वितीयक प्रभाव है। इसका प्राथमिक प्रभाव तो अगली तिमाहियों में देखने को मिलेगा। द्वितीयक प्रभाव से मतलब है कि आयात शुल्क में भारी बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए कंपनियों ने जनवरी से ही आयात की मात्रा बढ़ा दी। उधर उपभोक्ताओं ने चीजों की किल्लत और महंगाई बढ़ने की आशंका में जरूरत से ज्यादा खरीदारियां की हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पहली तिमाही में उपभोक्ता व्यय में 1.8 प्रतिशत का इजाफा हुआ। तो चूंकि निर्यात की तुलना में आयात बहुत तेजी से बढ़ा और उपभोक्ता खर्च में भी वृद्धि हुई, तो इसका असर जीडीपी के आंकड़ों में झलका है। यानी जहां आयात बढ़ने के कारण व्यापार घाटा बढ़ने से जीडीपी वृद्धि दर घटी, वहीं उपभोक्ता खर्च बढ़ने से उसे सहारा मिला। लेकिन ये दोनों परिघटनाएं तात्कालिक हैं। बाजार पर टैरिफ का असर असल में आगे जाहिर होगा। इससे बढ़ती बेचौनी अमेजन जैसी बड़ी कंपनियों की प्रतिक्रिया में भी दिखने लगी है। नकारात्मक मूड के प्रभाव से वित्तीय बाजारों में पहले से ही भारी गिरावट आ चुकी है। अब ट्रंप ने इसकी जिम्मेदारी पूर्व बाइडेन प्रशासन पर डाल कर उसके राजनीतिक प्रभाव से बच निकलने का प्रयास किया है। बुधवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि श्अभी जो स्टॉक एक्सचेंज है, वह बाइडेन का है, मेरा नहींश्य ट्रंप ने दलील दी कि वे 20 जनवरी को सत्ता में आए और उनके फैसलों का असर होने में अभी समय लगेगा। उनका दावा है कि जब ये असर होगा, अमेरिका में सुख–समृद्धि लौट आएगी। मगर वे इस तथ्य को नजरअंदाज कर गए कि शेयर और बॉन्ड बाजारों में गिरावट मुख्य रूप से 25 फरवरी के बाद शुरू हुई। उत्पादन और वितरण की अर्थव्यवस्था पर उसका क्या असर होगा, यह तो आने वाले महीनों में जाहिर होगा। इस मामले में ट्रंप के आकलन से अर्थशास्त्री सहमत नहीं हैं। दरअसल असलियत की पहली झलक पहली तिमाही के आंकड़ों से मिल गई है।

आरोप–प्रत्यारोप और छींटाकशी का दौर

अवधेश कुमार

इस समय विपक्ष का बयान है कि वो जम्मू–कश्मीर और पहलगाम मामले पर सरकार के साथ है। इससे पहली दृष्टि में आतंकवाद के विरुद्ध देश की एकता का संदेश जाता है। दूसरी ओर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे यह कह रहे हैं कि सरकार की दिशा स्पष्ट नहीं है। यह दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यंत चिंताजनक है कि ऐसे समय जब राजनीतिक दलों में एकता दिखानी चाहिए, आरोप–प्रत्यारोप और छींटाकशी का दौर चल रहा है। आतंकवादी हमले के मामले में स्वयं कांग्रेस का रिकॉर्ड इतना बुरा है कि अगर उस दृष्टि से देखें फिर उसके द्वारा प्रश्न उठाने या नरेन्द्र मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा करने का नैतिक आधार नहीं होना चाहिए। हालांकि विपक्ष के द्वारा सरकार पर दबाव बढ़ाना या कमियों को सामने लाना स्वाभाविक स्थिति होती है। हमारा दृश्य इससे अलग है। दबाव डालने और प्रश्न उठाने के पीछे सुस्पष्ट इरादा दुश्मन के विरु द्ध निर्णायक प्रतिकार की होनी चाहिए। ध्यान से देखेंगे तो कांग्रेस सहित अनेक पार्टियां सरकार पर तो प्रश्न उठा रहीं हैं, यह भी कह रही हैं कि कार्रवाई के मामले में सरकार के साथ हैं, पर आपको इनमें पाकिस्तान का नाम नहीं मिलेगा। दूसरे, इस समय धीरे–धीरे जिस तरह स्वयं जम्मू कश्मीर के अंदर आतंकवादियों और पाकिस्तान के समर्थकों, जिन्हें श्ओवरग्राउंड वर्करश्य कहा जा रहा है, की असलियत सामने

आ रही है उन पर भी विपक्षी दल मुंह खोलने को तैयार नहीं है। कोई भी आतंकवादी हमला बगैर स्थानीय समर्थन के संभव ही नहीं। प्रधानमंत्री मोदी अगर स्वयं यह वक्तव्य दे चुके हैं कि अब दुश्मन को मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है तो उन्होंने केवल आम लोगों को खुश करने के लिए नहीं बोला होगा। सारे प्रमुख मंत्रिमंडलीय समितियां सुरक्षा, राजनीतिक, आर्थिक की बैठकें हो चुकी हैं। विदेश मंत्री लगातार विदेशी नेताओं से बात कर रहे हैं और नई दिल्ली स्थित प्रमुख दूतावास के लोगों से संवाद हो रहा है। सैन्य प्रमुखों से मुलाकात के बाद यही बयान आया कि सरकार ने सेना को पूरी स्वतंत्रता दी है कि वह अपने अनुसार सूचनाओं के आधार पर जैसे चाहें कार्रवाई करें उसे सरकार का हर तरह का समर्थन प्राप्त होगा। ऐसी स्थिति में हमें अपने देश पर विश्वास करना चाहिए। आतंकवादियों को हर हाल में जिंदा पकड़ने की कोशिश चल रही है। अभी तक ऐसा माना जा रहा है कि आतंकवादी 25 से 30 किलोमीटर के दायरे में ही हैं। उनको जिंदा पकड़ना इसलिए आवश्यक है ताकि पूरे षड्यंत्र का पता चल जाए। जितनी जानकारी है उसकी इनके माध्यम से पुष्टि भी हो जाए। अगर मिल गए तो हाल के समय में आम लोगों पर जितने हमले हुए उनमें से अनेक के षड्यंत्रों का पता चलेगा। आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में छानबीन कर सटीक जानकारी तक पहुंचने की सबसे बड़ी भूमिका होती है क्योंकि इसके बाद आपके लिए कार्रवाई के लक्ष्य तय करने आसान होते हैं। इसलिए एनआईए की जांच को आतंकवाद विरोधी कार्रवाई का अभिन्न अंग न मानने की भूल नहीं होनी चाहिए। देश के लिए संतोष का विषय होना चाहिए कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, स्थानीय पुलिस, एनआईए, आदि के बीच संपूर्ण समन्वय के साथ कार्रवाई का आगे बढ़ रही है। पाकिस्तान को क्षति का मतलब मुख्य प्रायोजक सेना और वहां के राजनीतिक, मजहबी प्रतिष्ठान को क्षति नहीं होगी इस तरह का आतंकवाद रुक नहीं सकता। सेना की विचारधारा इस्लाम मजहब की ऐसी व्याख्या पर आधारित है जिसमें उनके लिए पाकिस्तान देश का लक्ष्य ही जम्मू कश्मीर को इस्लामी राज्य में परिणत कर अपने साथ मिलना है। तो यह आतंकवाद पैदा करने के लिए उन्हें ऐसा वैचारिक आधार देता है जिसे वहां के साथ भारतीय जम्मू–कश्मीर में भी समर्थन मिल जाता है। जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर पाकिस्तान को मोहम्मद साहब के रियासत ए तैयबा के बाद दूसरा कलमा से पैदा राज्य बताते हुए कश्मीर की बात करते हैं तो हम आप आलोचना करिए यह पाकिस्तानी सेना और सत्ता के ढांचे के लिए बिल्कुल स्वाभाविक स्थिति होती है। वह आतंकवाद पर रोक लगा ही नहीं सकता। हम आतंकवादी को मारेंगे, फिर आगे दूसरे हमले के लिए दूसरा समूह तैयार होकर आएगा और अपने अनुसार फिर हमला कर सकता है। इसमें दुनिया में कौन हमें क्या सुझाव देता है यह मायने नहीं रखता। हमें अपनी सुरक्षा करनी है और इसके लिए कोई ताकत हमको नहीं रोक सकती। भारत को स्वयं को शत प्रतिशत आतंकवाद से सुरक्षित करना है जम्मू–कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटाने के बाद आए सकारात्मक बदलाव को उसकी तार्किक परिणति तक पहुंचाना है तो पाकिस्तान को उस हालात में पहुंचाना ही होगा जिससे वह आतंकवाद प्रायोजित करने का साहस न कर सके। उसके लिए सिंधु जल संधि समाप्त करना बहुत बड़ा कदम है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों तक में उसके विरुद्ध बातचीत शुरू कर दिया है ताकि उन्हें किसी तरह उनको मिलने वाली मदद को रोका जा सके। चीन और तुर्की को छोड़ अन्य देशों से भी अपने संबंधों का लाभ उठाते हुए भारत पाकिस्तान की हर स्तर पर घेरेबंदी की कोशिश कर रहा है। सबसे अंतिम कदम के रूप में भारत ने पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय या तीसरे देश से भी संभावित व्यापार पर कानून में संशोधन कर पूरी तरह रोक लगा दिया है। किंतु एक लक्ष्य के साथ पाकिस्तान को उसके अपराध से कई गुणा ज्यादा क्षति पहुंचाने वाला युद्ध या सैनिक कार्रवाई आवश्यक है। विपक्षी राजनीतिक दलों में भी स्थिति की गंभीरता को समझने वाले नेता हैं। अभी तक सरकार की दिशा में भटकाव नहीं है, संकल्पबद्धता और दृढ़ता दिख रही है। यह आपसी राजनीतिक मतभेद या वोट की संकुचित चिंता से बाहर निकल एकजुट होकर बहुस्तरीय कार्रवाई के साथ खड़ा होने का समय है।

जातियों में बांटने का फैसला

हरिशंकर व्यास

कैबिनेट बैठक में तय हुआ है कि सरकार घर घर जा कर लोगों की जाति पूछेगी और उसे दर्ज करेगी। सोचें, एक तरफ कहा जा रहा था कि आतंकवादियों ने धर्म पूछ कर मारा, जाति पूछ कर नहीं। तो दूसरी ओर सरकार ने सबकी जाति पूछने का फैसला ले लिया। कहां तो भाजपा के नेता श्बंटोगे तो कटोगेश्य या श्एक रहोगे तो सेफ रहोगेश्य के नारे लगा रहे थे और कहां जातियों में बांटने का फैसला कर लिया। सवाल है कि सरकार ने ऐसा क्यों किया और अगर इस फैसले से एक दिन पहले आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस पर सहमति ली तो संघ क्यों सहमत हुआ? क्या संघ को भी लग रहा है कि एक बार सबकी जातीय पहचान बता देने के बाद हिंदू धर्म के नाम पर सबको एकजुट करना ज्यादा आसान होगा? सरकार के इस फैसले के दो पहलू बहुत साफ दिख रहे हैं। पहला तो आपदा को अवसर बनाने का है। इस समय देश पाकिस्तान पर हमले या आतंकवादियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का इंतजार कर रहा है। ऐसे में सरकार को लगा होगा कि यह सही समय है जाति गणना का फैसला करने का क्योंकि लोग इस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगे और देंगे भी तो जैसे ही आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई होगी, सारा नैरेटिव बदल जाएगा। अगर उस पहलू पर यकीन करें तो ऐसा लग रहा है कि सरकार पहले से इस पर विचार कर रही थी। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को सोचने पर मजबूर कर दिया था। लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान खास कर उत्तर प्रदेश के नुकसान के बाद भाजपा को लग रहा था कि अगर यही ट्रेंड रहा और चुनाव धर्म या देशभक्ति की बजाय जाति के नाम पर हुआ तो इस साल बिहार में एनडीए हारेगा। इसके बाद 2027 में उत्तर प्रदेश में भी एनडीए की जगह अखिलेश यादव का पीडीए जीत सकता है और उसके बाद 2029 का चुनाव हाथ से निकल जाएगा। इसलिए खुद भाजपा को जाति का कार्ड खेलना चाहिए। इस सोच में भाजपा ने जाति का कार्ड चला। इस दांव का ज्यादा फायदा लेने की स्थिति में भाजपा है क्योंकि विपक्ष इस समय न जाति गणना कराने की स्थिति में है, न आरक्षण बढ़ाने की स्थिति में है, न निजी सेक्टर में आरक्षण देने की स्थिति में है और न ओबीसी या दलित, आदिवासी को कुछ ऑफर करने की स्थिति में है। दूसरी ओर सरकार सब कुछ दे सकने की स्थिति में है और ऊपर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पिछड़ा पहचान देश में बिल्कुल निचले स्तर तक लोगों के बीच पहुंची हुई है। दूसरा पहलू जो है उसको दूर की कौड़ी मान सकते हैं लेकिन वह भी संभव है। ऐसा लग रहा है कि सरकार ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। उसने जाति गणना का ऐलान करके विपक्ष का एजेंडा हथियाने का दांव चला है और देश के हिंदुओं में बहुजन यानी पिछड़ा, दलित और आदिवासी को राजनीतिक मैसेज दिया है तो दूसरी ओर पाकिस्तान को धोखा देने का दांव चला है। हो सकता है कि इस फैसले के बाद पाकिस्तान लापरवाह हो। ध्यान रहे अभी पाकिस्तान पूरी तरह से अलर्ट है। उसने पाक अधिकृत कश्मीर यानी पीओके में अतिरिक्त सैनिक तैनात किए हैं और लड़ाकू विमानों की तैनाती की है। इसलिए इस समय कोई भी सैन्य कार्रवाई एकतरफा नहीं होगी। अगर भारत चुपचाप बैठा रहता तब भी पाकिस्तान अलर्ट पर ही रहता। लेकिन अब भारत जाति की आंतरिक राजनीति में उलझ गया है। सोशल मीडिया में भाजपा विरोधी इकोसिस्टम ने भी मोदी को कठघरे में खड़ा किया है कि उन्होंने एक बड़े संकट के समय राजनीति साधने पर ध्यान दिया। इससे पाकिस्तान में यह मैसेज बन रहा होगा कि भारत में राजनीति पुराने ढर्रे पर लौट आई है और हमेशा की तरह मोदी चुनाव जीतने की रणनीति बनाने में लगे हैं। हो सकता है कि इससे पाकिस्तान लापरवाह हो और उसका फायदा भारत को मिले।

विश्व सिनेमा की जादुई दुनिया: सारा गोम्स– एकमात्र फिल्म

सारा गोम्स क्यूबा की पहली और अपने समय में एकमात्र अश्वेत फिल्म निर्देशक थीं। क्रांतिकारी फिल्म बनाने वाली सारा स्त्री मुद्दों, खासकर एफ्रो–क्यूबा समदाय को परदे पर लाना चाहती थीं। वे समाज के इस अल्पसंख्यक समुदाय, असमानता, नस्ल–लिंग भेदभाव पर अपना काम केंद्रित करना चाहती थीं। जिंदगी कुछ लोगों को एक ही काम करने की मोहलत देती है। क्यूबा की सारा गोम्स (कहीं–कहीं उनका नाम सरिता गोम्ज भी मिलता है) उनमें से एक रह हैं। 1943 में क्यूबा में जन्मी सारा गोम्स निर्देशक–लेखक तो थीं ही साथ ही वे क्यूबा के सिनेमाटोग्राफर संस्थान की सदस्य भी थीं। एक समय वे इसकी एकमात्र अश्वेत सदस्य थीं। वे क्यूबा की पहली और अपने समय में एकमात्र अश्वेत फिल्म निर्देशक थीं। क्रांतिकारी फिल्म बनाने वाली सारा स्त्री मुद्दों, खासकर एफ्रो–क्यूबा समदाय को परदे पर लाना चाहती थीं। वे समाज के इस अल्पसंख्यक समुदाय, असमानता, नस्ल–लिंग भेदभाव पर अपना काम केंद्रित करना चाहती थीं। मगर केवल एक फीचरलेंथ फिल्म, 'वन वे ओर अनदर' बना सकीं, वह भी उनकी मृत्योपरांत रिलीज हुई। इस फिल्म के संपादन समाप्त करते–करते दमा से उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें दमा की शिकायत थी। मृत्यु के समय वे मात्र 31 साल की थीं। अगर जीवित रहती तो अवश्य और फिल्में बनातीं। वे संगीतज्ञ एवं मानव विज्ञान में प्रशिक्षित थीं। उन्होंने पियानो, साहित्य एवं एफ्रो–क्यूबम मानव विज्ञान में शिक्षा ग्रहण की। उनका लालन–पालन दादी और चार ऑन्ट के द्वारा हुआ, परिवार के अलावा आसपास एफ्रो–क्यूबन प्रोफेशनल थे। कुछ लोग हवाना फिल्हार्मोनिक ऑर्केस्ट्रा में सक्रिय, प्रोग्रसिव क्लब जैसे संस्थाओं से जुड़े

हुए, इसीलिए उनका प्रशिक्षण भी हवाना के म्युजिक कन्जरवेटरी में हुआ। वे न तो अग्रीब थीं न ही अशिक्षित। इसीलिए उनका झुकाव बौद्धिकता एवं संस्कृति की ओर था। प्रारंभ में वे युवाओं की पत्रिका 'मेला' एवं कम्युनिस्ट न्यूओजपेपर 'न्यूज ऑफ टुडे' केलिए काम करती थीं। नव स्थापित सिनेमैटोग्राफिक संस्थान आईसीएआईसी की वे असिस्टेंट डॉयरेक्टर बनीं। क्यूबा के अन्य निर्देशकों की भांति वे भी डॉक्यूमेंट्री को एक प्रमुख विधा मानती थीं। यह प्रशिक्षण के लिए भी अच्छी विधा है। इससे वास्तविकता की जानकारी होती है। क्यूबा के निर्देशक मानते हैं कि यह उन्हें क्यूबा की वास्तविकता को समझने, उससे रू–ब–रू कराने हेतु उपयुक्त है। खासकर क्यूबा के आंदोलन के पश्चात निर्देशकों को लगा कि क्यूबा की संस्कृति के अन्वेषण, अभिव्यक्ति का यह एक अच्छा माध्यम है। इसीलिए सारा ने भी डॉक्यूमेंट्री बनाई। फीचर फिल्म– 'वन वे ओर अनदर' 'वन वे ओर अनदर' फीचर फिल्म के अलावा उन्होंने दो लघु डॉक्यूमेंट्री बनाईं। वैसे उनके नाम पर एक दर्जन डॉक्यूमेंट्री की सूचि है, पर जिन दो के विषय में जानकारी मिलती है वे हैं, 'एन आइलैंड फॉर मिग्युल' तथा 'ए डॉक्यूमेंट्री अबाउट ट्रान्सिट'। पहली उन्होंने 1968 में बनाई और यह 22 मिनट की फिल्म उन्होंने थॉमस गोंजालेस के साथ मिल कर लिखी एवं इस फिल्म में मुख्य भूमिका इसाउरा मेन्डोजा ने की है। यह यूट्यूब पर उपलब्ध है, मगर इंग्लिश इसका सबटाइटिल नहीं हैं। दूसरी फिल्म 'ए डॉक्यूमेंट्री अबाउट ट्रान्सिट' 1971 में बनी है। इस लघु डॉक्यूमेंट्री को उन्होंने स्वयं लिखा है। फ्रांस के न्यू वेव सिनेमा की पुरोधा एग्नेस वार्डा की एक डॉक्यूमेंट्री उनके एवं सारा के बहनापे को दिखाती है। क्यूबा के आंदोलन के चार साल बाद वार्डा क्यूबा गई थीं वहां उन्होंने हजारों फोटो खींचे, उनमें से कुछ को चुब कर उन्होंने एक डॉक्यू–फिल्म 'हेलो क्यूबन्स' (1963) बनाई। इसके अंत की ओर एग्नेस वार्डा ने सारा गोम्ज को चा–चा–चा नृत्य करते हुए दिखाया है। जितने दिन एग्नेस क्यूबा में रही सारा उनके साथ थीं, क्यूबा से परिचित कराती, फोटो खींचने में सहायता करती। दोनों में दोस्ती हो गई थी। एग्नेस लिखती हैं हमारी अच्छी पटी, और जब आईसीएआईसी ने उन्हें सेंटिआगो ड क्यूबा जाने केलिए कहा तो सारा उनके संग गईं। वे एक ही कमरे में ठहरीं, जहां उन दोनों ने रात–रात भर बातें कीं। सारा के विषय में एग्नेस की धारणा है कि वे शिक्षाप्रद फिल्में निर्देशित करती हैं। सारा गोम्स का देश क्यूबा अमेरिका की भांति पूंजीपति देश नहीं है, आतरू यहां के इंडिपेंडेंट फिल्म मेकर उसमें भी स्त्री फिल्म मेकर स्त्री को एक भिन्न तरीके से अपने काम में प्रस्तुत करती हैं।

वे अपनी फीचर फिल्म 'वन वे ओर अनदर' नए क्यूबा में स्त्री–पुरुष के आपसी संबंधों के बदलाव को दिखाती हैं। वे इसे आर्थिक एवं वास्तविक परिवर्तन की पृष्ठभूमि में प्रस्तुत करती हैं।

फिल्म की नायिका योलैंडा मध्य वर्ग से आती है एवं एक स्कूल में पढ़ाती है, जबकि नायक मारियो हवाना के झुग्गी–झोपड़ी इलाके में जन्मा है। योलैंडा इसी इलाके में पढ़ाती है और यहीं नायक से मिलती है। क्लाइमेक्स सीन में मारियो योलैंडा का इंतजार कर रहा है मगर वह स्कूल की एक मीटिंग में व्यस्त है।

मारियो चिल्लाता है, 'कोई मुझे एक घंटे इंतजार नहीं करा सकता है।' मारिओ के व्यवहार में पुरुषसत्ता देखी जा सकती है।

योलैंडा मारियो से कहती है, जब वह अपने दोस्तों के साथ होता है तो उसका व्यवहार और उसकी भाषा बहुत अच्छी नहीं होती है, मारिओ सुनता है मगर क्या वह बदलेगा? पता नहीं। डॉक्यूमेंट्री एवं फिक्शन के साझा जोड़ से बनी फिल्म में पता नहीं चलता है कि मारियो और योलैंदा संग रहेंगे अथवा नहीं क्योंकि दर्शक देखता है कि तार की बाड़ के पार योलैंदा चल रही है, मारियो घूम कर उसे देखता है। मारियो का पलटना हो सकता है, उसके बदलाव का सूचक हो। सारा गोम्स की फीचर फिल्म 'वन वे ओर अनदर' को क्यूबा की पहली फिल्म माना जाता है, जो वास्तविक रूप से 1959 के क्यूबा आंदोलन के बाद के संदर्भ में नस्ल एवं लैंगिक संघर्ष को अन्वेषित करती है। आईसीएआईसी इस फिल्म के निर्माता हैं, इसका लोकेशन मीराफ्लोर्स है, यह हवाना का एक निम्न वर्ग इलाका है। निर्देशक ने पेशेवर एवं गैर पेशेवर दोनों तहर ल्के लोगों से अभिनय करवाया है।

उनकी एक शुरुआती डॉक्यूमेंट्री फिल्म क्यूबा के पुराने हवाना के प्लाजा विएजा का इतिहास दिखाती है, आज यह एक हेरिटेज स्थान है। अपनी 1864 की डॉक्यूमेंट्री 'इरे ए सैंटियागो' का शीर्षक उन्होंने फेडरिको गार्षा लोर्का की एक कविता से लिया है। अगले साल वे 'ट्रिप टू वुएल्टा अबाजो' बनाती हैं जिसमें वे तम्बाकू संस्कृति और एक गांव में आंदोलन से इसमें हुए परिवर्तन को प्रस्तुत करती हैं।

उन्होंने क्यूबा संगीत पर डॉक्यूमेंट्री बनाई, 'ऑन दि अदर आईलैंड' में वे आईलैंड के लोगों जैसे एक सत्रह असल की लड़की जो हेयरड्रेसर बनना चाहती है, एक ग्वाला जो रात को थियेटर चलाता है, एक किसान जो हवाना का टेनर बनना चाहता है, यानि ऐसे लोग जो जिंदगी में कुछ करना, बनना चाहते हैं उनका इंटरव्यू लिया है।

इस तरह सारा गोम्ज अपने काम के द्वारा आंदोलन के बाद क्यूबा के जन–जीवन में आए परिवर्तन को परदे पर उतार कर सदा केलिए दस्तावेज में परिवर्तित कर देती हैं। काश वे कुछ दिन और जीवित रहतीं।

सुंदरबन के सुंदरी वृक्ष: जैव विविधता के खजाने

सुंदरी वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करते हैं। इसकी जटिल जड़ प्रणाली तटीय क्षेत्रों को चक्रवात और समुद्री तूफानों से सुरक्षा प्रदान करती है।

सुंदरबन, विश्व का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन, अपनी समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत के लिए प्रसिद्ध है। इसका नाम यहां प्रचुर मात्रा में पाए जाने वाले सुंदरी वृक्षों के कारण पड़ा है। यह वन यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल है.

पारंपरिक चिकित्सा में सुंदरी वृक्ष का उपयोग मधुमेह, यकृत विकार, पाचन समस्याओं और त्वचा रोगों के उपचार में किया जाता है। इन वृक्षों में एंटीनोसिसेप्टिव, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीहाइपरग्लाइसेमिक, एंटीमाइक्रोबियल, और एंटीकैंसर जैसी महत्वपूर्ण औषधीय गुण पाए जाते हैं। सुंदरी वृक्ष की उलझी हुई घनी

जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकने में मदद करती हैं, जिससे यह पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पारिस्थितिकीय महत्व

सुंदरी वृक्ष कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषित कर जलवायु परिवर्तन को कम करने में मदद करते हैं। इसकी जटिल जड़ प्रणाली तटीय क्षेत्रों को चक्रवात और समुद्री तूफानों से सुरक्षा प्रदान करती है। यह वृक्ष खारे पानी में उगता है और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायता करता है।

स्थानीय निवासी इस वन और इन वृक्षों को पवित्र मानते हैं। वे जंगल में प्रवेश करने से पहले बोनबीबी और दक्षिण राय की पूजा करते हैं, जिन्हें जंगल और उसके जीवों का संरक्षक माना जाता है। बाघों से बचाव के लिए लोग अपने सिर के पीछे मुखौटा बांधते हैं ताकि बाघ भ्रमित होकर हमला न करें।

सुंदरी वृक्षों की संख्या में अत्यधिक कटाई, जलवायु परिवर्तन और 'टॉप डाइंग' रोग के कारण गिरावट आई है, जिससे इसे 'संकटग्रस्त' श्रेणी में रखा गया है। स्थानीय महिलाएं, विशेषकर वे जिनके पति बाघों द्वारा मारे गए हैं, सुंदरी वृक्षों के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, जिससे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में मदद मिल रही है।

व्यक्तिगत अनुभव

मेरा यह अनुभव बेहद सुंदर और दिल के करीब हैं। सुंदरवन की यात्रा अद्भुत अनुभव है। लगभग दस साल पहले मैंने सुंदरवन की यात्रा की थी, जो जीवन के सबसे अनमोल अनुभवों में से एक रहा। दो दिन की यह यात्रा बोट पर ही होती है– जहां दिन–रात उसी बोट में रहना होता है। यह आपको एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाती है और बीच–बीच में सुंदरवन के प्रमुख स्पॉट्स पर घुमाती है। नदी में चलते हुए मगरमच्छ, डॉल्फिन जैसे जलजीवों को देखना और किनारों पर फैली सुंदरी वृक्षों की सुंदरता मन मोह लेती है। इन वृक्षों की मिट्टी से निकली जड़ें और समुद्र की लहरों से टकराते दृश्य अत्यंत मनोहारी होते हैं। यहां जल, थल और आकाश– तीनों जगहों के जीव–जंतु एक साथ देखने को मिलते हैं।

बोट पर रहते हुए ऐसा महसूस होता है मानो आप दुनिया की भीड़ से कटकर प्रकृति की गोद में खो गए हों –जहां सौंदर्य और रोमांच एक साथ आपके स्वागत में खड़े हैं।

सुंदरबन की समृद्ध जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए सुंदरी वृक्षों का संरक्षण आवश्यक है। स्थानीय समुदायों की भागीदारी और जागरूकता के माध्यम से इन वृक्षों की रक्षा की जा सकती है, ताकि यह अनमोल धरोहर भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रह सके।

अनुपस्थित कर्मचारियों पर डीएम की सख्ती: वेतन कटौती व स्पष्टीकरण का आदेश

–संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी का औचक निरीक्षण अभियान लगातार जारी है। गुरुवार सुबह 10रू20 बजे कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विभिन्न अनुभागों की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण करते हुए उन्होंने 17 कार्मिकों को अनुपस्थित पाया। इस पर नाराजगी जताते हुए डीएम ने सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने और स्पष्टीकरण जारी करने का आदेश दिया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कार्यालय के 9, सदर नजारत कार्यालय के 1, खाद्य एवं औषधि प्रशाधन कार्यालय के 3, न्यायालय बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी (न्यायिक) के 1, कार्यालय बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी के 1, तथा न्यायालय चकबंदी अधिकारी सदर प्रथम व द्वितीय कार्यालय के 1–1 कर्मचारी अनुपस्थित मिले। गौरतलब है कि जिलाधिकारी इससे पूर्व भी तीन बार निरीक्षण कर समय पर कार्यालय आने की चेतावनी दे चुके हैं। बावजूद इसके कई कर्मचारियों में सुधार न होने पर उन्होंने सख्त रुख अपनाते हुए यह कार्रवाई की।

विश्व थैलीसीमिया दिवस पर बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन

–संवाददाता

बाराबंकी। विश्व थैलीसीमिया दिवस के उपलक्ष्य में बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा जिला अस्पताल रक्तकोष, बाराबंकी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के प्रबंधक अंकुर माथुर द्वारा डॉ. वी. पी. पाल सिंह को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित कर किया गया। इसके पश्चात थैलीसीमिया से पीड़ित बच्चों– अनस, हमजा, शुभ, कामरान एवं सुधांशु को उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके बाद रक्तदान शिविर की शुरुआत हुई, जिसमें कुल 25 लोगों ने रक्तदान कर महादान का पुण्य अर्जित किया। रक्तदाताओं में बालाजी का बचपन स्कूल की अध्यापिकाएं खुशी, रवनीत कौर, अलशीफा, सदस्य आशीष कुमार चौरसिया, छात्रा सिमरत कौर के अभिभावक राजा सिंह, मो. यूसुफ के पिता मो. नदीम, मो. फुजैल के पिता मो. जावेद, बालाजी एकेडमी की प्रधानाध्यापिका अना खान, सदस्य अहमर शाहबाज, समाजसेवी निखिल सिंह, साद, हिमायल, कीर्ति प्रकाश सिंह, धर्मराज सिंह, बबली यादव, पंकज, असीम, वैभव, गुल्लू, महेन्द्र, सुभाष, परवेज, लवलेश भूषण, राजकरण, अमीषा और अमन शामिल रहे। इस मौके पर अंकुर माथुर द्वारा बाराबंकी में रक्तदान के क्षेत्र में सक्रिय संस्थाओं एवं प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में शैलेन्द्र सिंह (रेडक्रॉस सोसाइटी), अनुपम वर्मा (भारतीय किसान यूनियन टिकैत), श्री विक्रांत सैनी (भा.कि.यू. हरपाल ग्रुप), डॉ. सरिता व डॉ. फरहा (मुंशी रघुनन्दन प्रसाद पी.जी. कॉलेज), मो. इस्माइल (भा.कि.यू. युवा विंग), श्री एस.एन. सिंह (संत निरंकारी मंडल), रोहित सिंह (भा.ज.पा. युवा मोर्चा), के. के. गुड्डू और रोहतास दीक्षित (व्यापार मंडल अध्यक्ष) शामिल रहे। अंकुर माथुर ने बताया कि बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स द्वारा पिछले एक वर्ष में कुल 137 यूनिट रक्तदान किया गया है। उन्होंने कहा, रक्तदान महादान है और थैलीसीमिया के मरीजों के लिए नियमित रक्त की आवश्यकता होती है। हमारा प्रयास है कि रक्त की कमी को दूर कर ऐसे मरीजों को जीवनदान दिया जा सके। बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के अध्यक्ष रविंद्र माथुर ने रक्तकोष प्रभारी डॉ. बी. पी. सिंह, जिला परामर्श अधिकारी पंकज कुमार एवं कोष के समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में गौरव तिवारी, राजा सिंह, भारती माथुर, सविता कौर, अल्पना कौर, अना खान, रानी मैम, अहमर शाहबाज, मो. सलीम, अद्भुत सिंह, पीयूष मौर्य, रंजीत ठाकुर, आशीष चौरसिया सहित कई सदस्य उपस्थित रहे। बालाजी ग्रुप ऑफ स्कूल्स ने समाज से आग्रह किया कि अधिक से अधिक लोग इस मुहिम से जुड़ें और रक्तदान करके थैलीसीमिया पीड़ितों की सहायता करें।

मुख्य आरक्षियों को साइबर सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

–संवाददाता

बाराबंकी। साइबर जागरूकता अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक बाराबंकी के निर्देशन में रिजर्व पुलिस लाइन बाराबंकी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे मुख्य आरक्षियों को साइबर अपराधों से बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस कर्मियों को साइबर अपराध की घटनाओं को पहचानने, उनसे बचाव करने और आमजन को करने से बचें। इसके अलावा, बताया गया कि किसी भी वेबसाइट पर व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से पहले उसकी विश्वसनीयता की जांच करें और कस्टमर केयर नंबर केवल अधिकृत वेबसाइट से ही लें। अज्ञात स्रोत से आए लिंक पर क्लिक न करें और सोशल मीडिया या बैंक खातों के पासवर्ड को मजबूत बनाएं, जिसमें अक्षर, अंक और विशेष चिन्ह सम्मिलित हों तथा टू–स्टेप वेरिफिकेशन का

जागरूक करने हेतु दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि साइबर धोखाधड़ी की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को तुरंत साइबर हेल्पलाइन नम्बर 1930 पर कॉल करना चाहिए अथवा खीजजचेरूध्ध्बलइमतबतपउम. हवअ.पद,(ीजजचेरूध्ध्बलइमतबतपउम. हवअ.पद) वेबसाइट पर शिकायत दर्ज करनी चाहिए, जिससे संबंधित धनराशि को खाते में होल्ड कराया जा सके। बैंक कभी भी केवाईसी अपडेट के नाम पर किसी ग्राहक से ओटीपी, पासवर्ड, सीवीसी या पिन नंबर जैसी जानकारी फोन पर नहीं मांगता, अतः किसी भी अज्ञात कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। अनजान व्यक्ति के कहने पर कोई ऐप डाउनलोड प्रयोग करें। प्रशिक्षण के दौरान यह भी स्पष्ट किया गया कि पैसा प्राप्त करते समय यूपीआई आईडी या पासवर्ड दर्ज करने की आवश्यकता नहीं होती। इस साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र में साइबर सेल बाराबंकी के निरीक्षक विनय प्रकाश राय, मुख्य आरक्षी नीरज यादव एवं आरक्षी राजन यादव द्वारा मुख्य आरक्षियों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों को साइबर सुरक्षा संबंधी प्रश्नों के उत्तर भी दिए गए। यह अभियान पुलिस विभाग की ओर से साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को रोकने और समाज को डिजिटल रूप से सुरक्षित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

चोरी की बाईक बरामद

–संवाददाता

मसौली बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय के निर्देश पर चलाये जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान सफदरगंज पुलिस ने गैर जनपदीय युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की एक बाईक बरामद की।

प्रभारी निरीक्षक अरुण प्रताप सिंह की अगुवाई मे चलाये जा रहे चेकिंग

अभियान के दौरान उपनिरीक्षक अजहर खान ने लखनऊ जनपद के बंथरा थाना क्षेत्र के ग्राम लोहना पिपरसंड निवासी विशाल रावत पुत्र राजू रावत को कंधईपु ́मोड से गिरफ्तार कर विगत दिनों लक्षबर बजहा चौराहा से चोरी हुई मोटरसाइकिल नम्बर यूपी 41 ए जेड 6219 को बरामद किया।

'बज्मे–एवाने–गजल' का भव्य तरही मुशायरा आयोजित

–संवाददाता

बाराबंकी ।सआदतगंज की सक्रिय साहित्यिक संस्था बज्मे– एवाने– गजल के तत्वावधान में एक भव्य तरही मुशायरे का आयोजन उस्ताद शायर आसी चौखण्डवी की अध्यक्षता में मदरसा साकिबुल उलूम, मोहम्मदपुर बाहूँ के विशाल हाल में किया गया।

इस मुशायरे में बतौर मुख्य अतिथि सलीम हमदम रुदौलवी और असलम सैदनपुरी ने शिरकत की।

कार्यक्रम का संचालन का कार्य आफताब जामी ने अपने विशेष और अलबेले अंदाज में बखूबी अंजाम दिया। मुशायरे की शुरुआत सहर अय्यूबी की नात पाक से हुई।

इसके बाद दिए गए मिसर– ए–तरह
खेलते क्यूँ हो मेरे जज्बात से
पर कायदा तरही मुशायरे की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

कुछ चुनिंदा बेहद पसंद किए गए अशआर का गुलदस्ता आप समस्त श्रोताओं के भी पेशे– नजर हैं समाअत फरमाएं।

वक्त से पहले ही आ जाया करो
ये गुजारिश है सभी हजरात से
आसी चौखण्डवी

क्या करोगे जो भड़क उठ्ठें गे ये
खेलते क्यूँ हो मेरे जज्बात से
जकी तारिक बाराबंकवी

एक तिनका भी नहीं छोड़ा कहीं
बह्र जब बाहर हुआ औकात से
जहीर रामपुरी

लाइलाज हो जाए जब कोई मरज
लो शिफा कुरआन की आयात से
अस्लम सैदनपुरी

ये मरज मुझको दिया है इश्क ने
मैं नहीं सोया हजारों रात से
सलीम हमदम रुदौलवी

है नवाजा रब ने क्या फितरी जमाल
पर्बतों, दरियाओं और बागात से
मुश्ताक बज्मी

क्या जमाना है जो गद्दारी करे
वो नवाजा जाए इनआमात से
कय्यूम बेहटवी

ख्वाब, नींदें और दिलबर का विसाल
नेअमतें क्या क्या मिली हैं रात से
अली बाराबंकवी

इसमें अब इंसानियत बाकधि नहीं
गिर गया इंसान अपनी जात से
आफताब जामी

जो रिदा– ए–मक्र से थे बंद सब
खुल गए वो राज तहकधीकघत से
शफीक रामपुरी

है बचाता रब मेरा आफात से
मुश्किलें टल जाती हैं सदकात से
मिस्बाह रहमान

जगमगा उठा है ये सारा जहाँ
रोशनी निकली है जब जुल्मात से
राशिद रफीक

हर मसर्रत, हर खुशी देगा वही
है यही उम्मीद उसकी जात से
सहर अयूबी

वो करीब आने लगे हैं अब मेरे
थी कराबत जिनको मेरी जात से
आसिम अक्दस

हमको छोटी सी खुशी भी है बहुत
हम गुजर कर आए हैं सदमात से
अबूजर अंसारी

इन शायरों के अलावा असर सैदनपुरी, कलीम तारिक, राशिद जहूर, नईम सिकंदरपुरी, अरशद उमैर सफदरगंजवी, नाजिश बाराबंकवी और तालिब नूर ने भी अपना–अपना तरही कलाम पेश किया और श्रोताओं व शायरों से खघ्ूब दाद व तहसीन हासिल की।

श्रोताओं में मास्टर मोहम्मद वसीम, मास्टर मोहम्मद कघ्सीम, मास्टर मोहम्मद हलीम और मास्टर मोहम्मद राशिद के नाम विशेष और उल्लेखनीय हैं।

बज्मे– एवाने– गजल का आगामी मासिक तरही मुशायरा निम्नलिखित मिसरा– ए–तरह
दर्दे– तन्हाई में होता है असर शाम के बाद
काफिया: असर
रदीफ: शाम के बाद
पर दिनांक 25 मई को अपने निर्धारित स्थल आइडियल इंटर कॉलेज में आयोजित किया जाएगा।

रेडक्रॉस दिवस पर जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर आयोजित, मरीजों को वितरित किए गए फल

–संवाददाता

बाराबंकी। पीड़ित मानवता की सेवा और सहायता का संकल्प लेकर युद्ध और आपदा से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए स्विटजरलैंड के जेनेवा में 1863 मे हेनरी ड्यूना द्वारा बनाई पांच सदस्यीय कमेटी जिसे आज विस्तारित होकर रेडक्रॉस के रूप में पूरी दुनिया जानती है। रेडक्रॉस सोसाइटी को अपनी आपातकालीन सहायता के लिए दो बार नोबेल शान्ति पुरस्कार प्राप्त हुए। रेडक्रास के स्वयं सेवक युद्ध क्षेत्र मे जब सहायता करने जाते हैं तो युद्ध भी रुक जाते हैं। क्योंकि दुनिया को पता है कि रेडक्रास के स्वयं सेवक जाति धर्म, सम्प्रदाय एवं नश्ल भेद से परे रहकर निष्पक्षता, तटस्थता के साथ पीड़ित मानवता की सहायता करता है। यह उद्गार मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अवधेश कुमार यादव ने रेडक्रांस सोसाइटी द्वारा रेडक्रास के जनक हेनरी ड्यूना के जन्मदिन रेडक्रास दिवस पर जिला अस्पताल मे किये गए रक्तदान शिविर के उद्घाटन एवं ट्रामा सेंटर मे भर्ती मरीजों को फल वितरित करते हुए कहा। सीएमओ ने कहा कि आपदा में लोग रेडक्रॉस के स्वयं सेवकों को आशा भरी नजरों से देखते हैं , हमें यह विश्वास बनाये रखना है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ विनोद पाल सिंह ने सभी को रेडक्रॉस दिवस की बधाई दी। रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन शैलेन्द्र सिंह ने विश्व रेडक्रॉस सोसायटी व विश्व थैलीशिमिया दिवस कि सभी को बधाई दी और वर्तमान परिस्थितियों में सेवा के लिए तत्पर रहने के लिए आह्वान किया। वाइस चेयरमैन हुमायूँ नईम खान ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी दुनिया के 186 देशों में कार्य कर रही है। इस अवसर पर संरक्षक सदस्य आशीष सिंह, अंकुर माथुर, युवा व्यापार मंडल के अध्यक्ष रोहिताश्व दीक्षित, कार्यकारिणी सदस्य चंद्रशेखर कांडपाल, डॉ सुविद्या वत्स, जिला पंचायत सदस्य नेहा सिंह आनंद, आजीवन सदस्य रत्नेश कुमार, एडवोकेट राहुल, कमलेश कुमार, राजेन्द्र त्रिपाठी, सुभाष चंद्र सहित रेडक्रॉस के दर्जनों सदस्य उपस्थित रहे।

नहीं लगेगा सतरिख का मेला, पुलिस ने भेजी रिपोर्ट

–संवाददाता

बाराबंकी। सतरिख स्थित सैयद सालार साहू गाजी की दरगाह पर लगने वाला पारंपरिक मेला इस बार नहीं लगेगा। थाना प्रभारी ने मेले के आयोजन से कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका जताते हुए इसे रोकने की संस्तुति की है। कई हिन्दू संगठन संभल और बहराइच के बाद इस दरगाह पर भी मेला न लगाए जाने की मांग कर रहे थे। कुछ दिन पहले स्थानीय लोगों ने थाना दिवस में दरगाह के आसपास की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत भी दर्ज कराई थी। वहीं, कुछ अधिवक्ताओं और एक हिंदू संगठन ने डीएम को ज्ञापन देकर कहा था कि सतरिख स्थित मजार सैयद सालार साहू गाजी की है, जो महमूद गजनवी का सेनापति था। उन्होंने सोमनाथ मंदिर पर हमला कर बड़ी संख्या में हिंदुओं का जबरन धर्म परिवर्तन कराया था। बाद में महाराजा सुहेलदेव पासी ने बहराइच के युद्ध में उसे पराजित कर मार दिया था। ज्ञापन देने वालों का कहना था कि इतिहास को तोड़–मरोड़कर पेश करते हुए उसे सूफी बताकर यहां मेला आयोजित किया जाता है, जो पूरी तरह गलत व देश के स्वाभिमान के खिलाफ है।मेला कमेटी ने इस बार 14 और 15 मई को मेले के आयोजन की अनुमति प्रशासन से मांगी थी। प्रशासन ने इसके आयोजन को लेकर पुलिस से स्टेट्स रिपोर्ट मांगी थी। पुलिस ने शुरुआती दौर में ही रिपोर्ट भेजकर साफ कर दिया था कि मेले का आयोजन न हो। बृहस्पतिवार को अवकाश से लौटने के बाद सतरिख के थानाध्यक्ष अमर चौरसिया ने प्रशासन को मेले के आयोजन पर अपनी स्पष्ट रिपोर्ट भेज दी। इसमें मेले का आयोजन नहीं करने की संस्तुति की गई है। इस बार यह मेला 14 से 17 मई तक आयोजित किए जाने की तैयारी थी। पुलिस से अनुमति न मिलने के कारण आयोजन से जुड़ी सभी तैयारियां भी ठप हो गई हैं। मेला कमेटी को मेले में दुकान लगाने वाले दुकानदारों को जमीन आवंटित न करने के लिए भी कहा गया है।

डीएम ने रजौली गांव में महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से किया संवाद

–संवाददाता

बाराबंकी। जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने मुख्य विकास अधिकारी अन्ना सुदन के साथ बृहस्पतिवार को फतेहपुर तहसील के रजौली गांव में स्थापित मधुमक्खी वाला शहद प्लांट का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आस–पास के ग्रामों व चौन पुरवा तहसील रामनगर में संचालित महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों के साथ संवाद भी किया। आकांक्षा महिला स्वयं सहायता समूह की सुमित्रा दीदी ने शहद उत्पादन स्टार्टप की प्रक्रिया के विषय में जानकारी प्रदान करते हुए इसके लाभ के विषय में विस्तार से बताया। तो वहीं चौनपुरवा निवासी स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा दीपक बनाने के स्टार्टप के विषय में जानकारी प्रदान की गई। महालक्ष्मी स्वयं सहायता समूह की दीदी अशोक कुमारी ने आर0ओ0 प्लांट के व्यवसाय के विषय में जानकारी साझा की। वहीदा दीदी ने बताया कि उन्होंने सी0आई0एफ0 से पैसा लेकर सरसों तेल बेचने का व्यवसाय शुरू किया इससे उन्हें बहुत फायदा हुआ। शीला दीदी ने अपने सिलाई के व्यवसाय के विषय में जानकारी साझा की। इसके अलावा अन्य दीदियों ने भी अपने अपने व्यवसाय के विषय में जानकारी दी। इस दौरान ने जिलाधिकारी कहा कि बाराबंकी की दीदियो' ने न केवल अपनी आर्थिक दशा बदली, बल्कि पूरे ग्रामीण समाज को आत्मनिर्भरता की राह दिखाई है। इस दौरान डी0सी0 एन0आर0एल0एम0, डी0पी0आर0ओ0, एस0डी0एम0 फतेहपुर सहित सभी सम्बंधित उपस्थित रहे।

लखनऊ सुपरजायंट्स से भिड़ने पहुंची विराट सेना, आईपीएल के हाईवोल्टेज मुकाबले के लिए शहर तैयार

संवाददाता

लखनऊ। 9 मई को इकाना स्टेडियम में विराट कोहली की आरसीबी और लखनऊ सुपरजायंट्स के बीच प्लेऑफ की जंग होगी। विराट जबरदस्त फॉर्म में हैं जबकि लखनऊ के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है। माही के बाद विराट। लखनऊ आईपीएल के एक और हाईवोल्टेज मुकाबले के लिए तैयार हो चुका है। लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ नौ मई को होने वाले मुकाबले में अगर इकाना स्टेडियम विराट की जर्सी से पटा नजर आए, तो आश्चर्य न कीजिएगा। इस मुकाबले में प्रशंसक अपनी घरेलू टीम (लखनऊ सुपरजायंट्स) की बजाए रॉयल चौलेंजर्स बंगलूरू के लिए शोर मचाते दिखेंगे। मौजूदा आईपीएल में बेहतरीन फार्म में चल रही विराट सेना को रोक पाना प्रतिद्वंद्वी टीमों के लिए मुश्किल रहा है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्षरत लखनऊ के लिए यह मुकाबला करो या मरो की स्थिति वाला होगा।

इससे पहले छह मई को रॉयल चौलेंजर्स बंगलूरू के खिलाड़ी नौ मई को होने वाले मुकाबले के लिए शहर पहुंच गए। टीम की बल्लेबाजी अभी तक दिग्गज विराट के इर्दगिर्द घूम रही है। 11 मुकाबलों में 63.12 के

करिश्माई औसत से 505 रन बनाने वाले दिग्गज बल्लेबाज के निशाने पर एलएसजी की कमजोर गेंदबाजी लाइनअप होगी। इसके अलावा टीम के कप्तान रजत पाटीदार (11 मैच में 239 रन) और फिल सॉल्ट (नौ मैच में 239) के अलावा देवदत्त पडिक्कल (दस मैच में 247) बड़ा स्कोर बनाने का मद्दा रखते हैं।

गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलियाई पेसर जोश हेजलवुड (दस मैच में 17.27 की औसत से 18 विकेट) जबर्दस्त फार्म में हैं, जबकि क्रुणाल पंड्या (11 मैच में 14 विकेट) और भुवनेश्वर कुमार (10 मैच में 12 विकेट) ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई है।

जीत की आस में एलएसजी ने किया अभ्यास प्लेऑफ की होड़ में बने रहने के लिए मेजबान लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम मंगलवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास करने उतरी। टीम के सभी खिलाड़ियों ने नेट्स पर तकरीबन तीन घंटे तक पसीना बहाया। इस दौरान टीम मेंटर जहीर खान और चीफ कोच जस्टिन लैंगर की नजरें खिलाड़ियों के अभ्यास पर जमी रहीं। खराब फार्म से जूझ रहे ऋषभ पंत ने नेट्स पर देर तक बल्लेबाजी की, जबकि निकोलस पूरन ने लंबे शॉट जमाए। गेंदबाजी में मयंक यादव, रवि बिश्नोई और दिग्वेश राठी ने काफी समय नेट्स पर बिताया।

युवक की संदिग्ध हालात में मौत के मामले में 28 पुलिसकर्मियों पर गिरी गाज, किए गए लाइन हाजिर

संवाददाता

लखनऊ। सीतापुर जिले में युवक की संदिग्ध मौत मामले में अलग–अलग थानों के पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। 28 पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है। सीतापुर जिले के विभिन्न थानों के 28 पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल ने लाइन हाजिर कर दिया है। इसमें मिश्रित कोतवाली में तैनात दीवान अनिल मिश्रा भी शामिल हैं। बता दें कि मिश्रित के कुसहा गांव निवासी प्रदीप शुक्ला (35) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। मौत से एक दिन पूर्व प्रदीप का अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। प्रदीप के परिजनों ने उसके विरुद्ध तहरीर दी थी। इस मामले में पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर कार्यवाही कर युवक का शांतिभंग में चालान किया था। इसके बाद युवक का शव एक गन्ने खेत में पाया गया था। पुलिस के मुताबिक युवक ने विषाक्त पदार्थ का सेवन किया था। वहीं, परिजनो ने कोतवाली के दीवान अनिल मिश्रा पर पीटने का आरोप लगाया था। इसके बाद एसपी ने मामले की रिपोर्ट तलब की थी।

प्यार करना सबसे बड़ी गलती थी, शादी के दिन मंडप से गायब दुल्हन ने Lover संग दी जान नोट में लिखी ये बातें

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। बाराबंकी जिले में मंडप से लापता दुल्हन और उसके प्रेमी के शव फंदे से लटकते मिले हैं। चार पन्नों का एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें दुल्हन ने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को ठहराया है। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। मसौली थाना इलाके में शादी के दिन मंडप से लापता हुई युवती शिल्पा का शव बुधवार को उसके प्रेमी जितेंद्र के साथ गांव के बाहर बाग में फंदे लटकता मिला। इस दिल दहला देने वाली घटना से इलाके में हड़कंप है। पुलिस को मौके से चार पन्नों का एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें दुल्हन ने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को ठहराया है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

उधर, विवाह के दिन बेटी के गायब हो जाने के बाद घबराए परिजनों ने इज्जत बचाने के लिए बरात में आए दूल्हे की शादी अपने छोटे भाई धर्मराज की बेटी से करा दी थी। मामला मसौली थाना क्षेत्र के लालपुर मजरे भरथीपुर गांव का है। यहां के राजबहादुर यादव की पुत्री शिल्पा (22) की शादी पांच मई को थी। बरात सफदरगंज क्षेत्र के प्यारेपुर सरैया से आई आई थी। लेकिन रात करीब नौ बजे द्वार पूजा के समय दुल्हन बनी शिल्पा अचानक लापता हो गई।

इससे घरवाले घबरा गए। लापता होने के करीब 36 घंटे बाद बुधवार की सुबह लालपुर गांव से करीब 500 मीटर दूर आम के बाग में एक पेड़ पर एक ही साड़ी से बने फंदे में शिल्पा और उसके प्रेमी जितेंद्र के शव लटके मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। जितेंद्र भी शादी की रात से गायब था।

घटना की जानकारी के बाद मसौली, रामनगर, बदोसराय की पुलिस के साथ सीओ रामगर गरिमा पंत मौके पर पहुंची। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने शवों को कब्जे में लेकर गहन जांच पड़ताल की। इस दौरान शिल्पा के पास एक सुसाइड नोट मिला। इसमें लिखा था कि हम अपनी खुशी से आत्महत्या कर रहे हैं। हमारे इस कदम के लिए परिवार को दोषी न ठहराया जाए। हम जीते जी नहीं मिल सके अब मर तो सकते हैं। सफदरगंज के एसएचओ सुधीर कुमा सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया दोनों मौतें आत्महत्या प्रतीत हो रही हैं। आगे की कार्रवाई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर तय होगी।

सुसाइड नोट में किया परिवार पर तंज

चार पन्नों के सुसाइड नोट में शिल्पा ने अपने परिवार के प्रति तंज भरे शब्द लिखे हैं। इसमें लिखा है कि जब मुझे पता चला कि मेरे जानू (जितेंद्र) के खिलाफ घरवालों ने रिपोर्ट दर्ज कराई है तो मैंने इसका विरोध किया। हमारे परिजन हमारी खुशी देख नहीं सके। प्यार करना हमारी सबसे बड़ी गलती थी। फिलहाल पुलिस सुसाइड नोट की हैंड राइटिंग की विशेषज्ञों से जांच कराने की तैयारी में है।

सीएम योगी बोले– दुनिया ने देखा विकसित भारत का साहस, पाकिस्तान की मांद में घुसकर उसे सबक सिखाया

संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शिक्षक समय के साथ बदलें। पाठ्यक्रम को उबाऊ न होने दें। नवाचार करें। बच्चों को छोटे–छोटे उदाहरणों से समझाएं। विकसित भारत में शिक्षकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण रहने वाली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश बदल रहा है। आज का भारत आत्मविश्वास से भरा हुआ है जो कि हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह सक्षम है। अभी कल ही दुनिया ने देखा कि हमने पाकिस्तान की मांद में घुसकर सबक सिखाया। ये विकसित भारत है और हमारा तो इतिहास रहा है कि हमने कभी किसी दूसरे देश में घुसकर हस्तक्षेप नहीं किया है। हम किसी को छेड़ते नहीं है पर जो हमें छेड़ता है हम उसको छोड़ते भी नहीं है।

उन्होंने कहा कि बदलते भारत में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। शिक्षक नवाचार करें। समय पर कक्षा पहुंचे और बच्चों के पाठ्यक्रम को उबाऊ न होने दें। उनके सामने अच्छा आचरण करें क्योंकि ये वर्तमान पीढ़ी के साथ ही भविष्य की पीढ़ी के लिए भी जरूरी है। विकसित भारत की आधारशिला विद्यालय से रखी जाए क्योंकि यूपी आज बीमारू राज्य नहीं है।

वह देश के ग्रोथ इंजन का हिस्सा है। देश की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था है। यहां प्रतिभा, पोटेंशियल की कमी पहले भी नहीं थी किंतु सही दृष्टि नहीं थी। आज यूपी सरप्लस स्टेट है। आज नियुक्ति पत्र पाने वाले युवा युवा विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में अपना योगदान दें। शिक्षक नवाचार करें, एनईपी को बेहतर तरीके से लागू करें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बृहस्पतिवार को लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में सहायक अध्यापकों व प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि अब प्रदेश में नौकरी पाने के लिए सिफारिश की जरूरत नहीं है। पूरी चयन प्रक्रिया पूरी तरह से निष्पक्ष और सहायता प्राप्त विद्यालयों में 34074 अध्यापकों का चयन किया जा चुका है। माध्यमिक विद्यालय में सुविधाओं के विकास हेतु प्रोजेक्ट अलंकार संचालित किया जा रहा है जिसके अंतर्गत वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 508 करोड़ की धनराशि अवमुक्त की गई है।

और पारदर्शी है। 2017 के पहले माध्यमिक शिक्षा की हालत अच्छी नहीं थी। हमने इसमें नवाचार किए और अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

समारोह में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि और सभी शिक्षकगण मैं आप सबका इस कार्यक्रम में अभिनंदन करते हुए नवनियुक्त शिक्षकों को हृदय से बधाई देती हूं। मुख्यमंत्री के निर्देशन में माध्यमिक शिक्षा विभाग के राजकीय माध्यमिक विद्यालय में चयनित 49 प्रवक्ताओं तथा 494 सहायक अध्यापकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग द्वारा शिक्षा की गुणवत्ता में वृद्धि कर गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से शिक्षकों का चयन और समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए शैक्षणिक व्यवस्था में परिवर्तन किया जा रहे हैं। परीक्षा की व्यवस्था की गई है और नई प्रक्रिया से राजकीय विद्यालय में 8423 इसी प्रकार सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय संस्कृत विद्यालय के लिए 14 करोड़ की धनराशि दी गई है। हमारी सरकार द्वारा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा हेतु सक्षम बनाने के लिए एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। यहां पर प्रदेश में शिक्षा के हेतु आधुनिक विषयों का समावेश तथा एनसीईआरटी की पाठ्य पुस्तक लागू की गई है। नियमित शिक्षक के आने तक मानदेय के आधार पर शिक्षक नियोजित किए गए हैं और उक्त के अतिरिक्त सेवानिवृत शिक्षकों के पूल के रिक्त पदों पर मानदेय के आधार पर सत्र के अंत तक शिक्षण व्यवस्था भी की गई है।

मुख्यमंत्री योगी के प्रभावी मार्गदर्शन में हम नकल विहीन परीक्षा कराने में सफल रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की संकल्पना को वास्तविक रूप देने के लिए कार्य योजना विकसित कर अग्रसर है।

यूपी के सभी 75 जिलों में सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी, कालेधन पर नकेल और किसानों को बेहतर मुआवजा मिलेगा

संवाददाता

लखनऊ। यूपी सरकार ने 75 जिलों में सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी कर ली है। इस संबंध में जिलों को प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा गया है। इस फैसले से प्रदेश के राजस्व में 20 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है। काले धन पर नकेल और किसानों को उचित मुआवजा दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने सभी 75 जिलों में जमीन का सर्किल रेट बढ़ाने की तैयारी कर ली है। स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग ने इस संबंध में जिलों से प्रस्ताव तैयार करने को कहा है। अगले तीन महीने के भीतर सर्किल रेट बढ़ाने के फैसले पर अंतिम मुहर लग जाएगी। इसका फायदा ग्रामीण के साथ–साथ शहरी लोगों को भी मिलेगा, जिनकी जमीन या घर सड़क चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहीत किए जाते हैं। वहीं राजस्व में भी कम से कम 20 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है। स्टांप एवं पंजीयन विभाग ने पिछले नौ वर्ष से सर्किल रेट की दरें नहीं बढ़ाई हैं। लखनऊ जैसे कुछ जिलों में वर्ष 2015 से सर्किल रेट की दरें नहीं बढ़ी हैं। कई जिलों में तो सर्किल रेट और रजिस्ट्री रेट में दोगुने से भी ज्यादा का अंतर है। इस अंतर को कम करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों में

सर्किल रेट बढ़ाने का फैसला लिया गया है। इस निर्णय से उन किसानों को ज्यादा पैसा मिलेगा, जिनकी जमीन अधिग्रहीत की जाएगी। किसानों को अधिग्रहण के एवज में चार गुना मुआवजा मिलता है। साथ ही शहर में रहने वाले उन लोगों को भी ज्यादा मुआवजा मिलेगा, जिनकी जमीन या घर सड़क चौड़ीकरण के लिए अधिग्रहीत किए जाते हैं। शहरों में मुआवजा राशि सर्किल रेट की दोगुनी है। इसके अलावा वास्तविक कीमत और सर्किल रेट के बीच अंतर घटने से कालेधन की खपत पर अंकुश लगेगा। पिछले आठ वर्षों में स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग, उत्तर प्रदेश स्टांप निबंधन से प्राप्त आय सर्किल रेट बढ़ाए बिना लगभग तीन गुना हो गई है। सर्किल रेट बढ़ने से राज्य सरकार को स्टांप से मिलने वाले राजस्व में 20 फीसदी को वृद्धि का अनुमान है। वित्त वर्ष 2024–25 में स्टांप से सरकार को करीब 38 हजार करोड़ रुपये की आय हुई थी। इस निर्णय के प्रभावी होने के बाद ये बढ़कर 45 हजार करोड़ हो सकती है।

अपार आईडी से होगी आरटीई की शुल्क प्रतिपूर्ति, बेसिक शिक्षा विभाग नए सत्र में निजी स्कूलों पर करेगा सख्ती

कार्यालय संवाददाता

लखनऊ। यूपी में अपार आईडी बनाने की रफ्तार बढ़ेगी। नए सत्र में बेसिक शिक्षा विभाग निजी स्कूलों पर सख्ती करेगा। वहीं, लापरवाही पर रोक लगेगी। प्रदेश में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत प्रवेश को लेकर चल रही सख्ती के बीच बेसिक शिक्षा विभाग अब निजी स्कूलों पर और कड़ाई करने जा रहा है। इससे निजी स्कूलों द्वारा ऑटोमेटेड परमानेंट एकेडमिक अकाउंट रजिस्ट्री (अपार) आईडी बनाने में की जा रही हीलाहवाली पर भी रोक लगेगी। इसके तहत विभाग अब अपार आईडी से आरटीई की शुल्क प्रतिपूर्ति करेगा। प्रदेश में अपार आईडी बनाने के लिए अभियान चल रहा है। सरकारी स्कूलों में तो 90 फीसदी से ज्यादा छात्रों की अपार आईडी बन गई है, लेकिन निजी स्कूलों में यह आंकड़ा 50 से 60 फीसदी भी नहीं पहुंचा है। इसके लिए विभाग ने कई बार निर्देश दिए और कैंप भी लगवाए, लेकिन इसमें अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसे देखते हुए अब सख्ती शुरू की जा रही है।

विभाग नए सत्र 2025–26 में यू–डायस पोर्टल आईडी, आरटीई आईडी व अपार आईडी को आपस में जोड़ रहा है। निजी स्कूल जिन बच्चों का आरटीई के तहत प्रवेश लेंगे, उनकी अपार आईडी होने पर ही शुल्क प्रतिपूर्ति हो सकेगी। नए सत्र के लिए चार

चरणों में आवेदन लेकर प्रवेश प्रक्रिया पूरी की गई है। इसमें 3.34 लाख आवेदन आए और 1.85 लाख से अधिक बच्चों को सीट अलॉट हुई है।

पोर्टल पर अपलोड करनी होगी उपस्थिति आरटीई के तहत प्रवेशित बच्चों की उपस्थिति भी निजी स्कूलों को निर्धारित पोर्टल पर अपडेट करनी होगी। बेसिक शिक्षा विभाग ने आरटीई का एक पोर्टल विकसित किया है। इससे निजी स्कूलों को जोड़ा गया है। उन्हें आईडी– पासवर्ड भी दिया जा रहा है। अब हर दिन बच्चों की उपस्थिति इस पोर्टल पर अपलोड करनी होगी, जिससे यह पता चल सकेगा कि आरटीई में प्रवेश लेने वाले बच्चे नियमित स्कूल आ रहे या नहीं।

अधिकारी करेंगे स्कूलों का औचक भ्रमण समग्र शिक्षा के उप निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि विभाग अधिकारियों से भी आरटीई वाले स्कूलों का औचक निरीक्षण कराएगा। इसमें यह देखा जाएगा कि आरटीई के तहत प्रवेश लेने वाले बच्चे स्कूल में पढ़ रहे हैं या नहीं। कई बार इस तरह की शिकायत मिलती है कि प्रवेश लेने वाले के बाद बच्चों को हटा दिया जाता है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में जल्द ही विस्तृत निर्देश जारी किए जाएंगे। समग्र शिक्षा के उप निदेशक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने बातया कि नए सत्र में आरटीई नंबर, यू–डायस नंबर, अपार आईडी नंबर को लिंक किया जाएगा। इसी से निजी स्कूलों में प्रवेश पाने वाले बच्चों की शुल्क प्रतिपूर्ति की जाएगी।

नाबालिगों से अनैतिक काम कराने वाला 25 हजार का इनामी आरोपी गिरफ्तार, तीन को भेजा जा चुका जेल

संवाददाता

लखनऊ। मदेयगंज पुलिस ने नाबालिगों से अनैतिक काम कराने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इसके पहले उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। मदेयगंज पुलिस ने नाबालिग लड़कियों से अनैतिक काम कराने के आरोपी मो. अरमान को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी पर चार मई को डीसीपी मध्य ने 25 हजार का इनाम घोषित किया था। इस मामले में पूर्व में तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इंस्पेक्टर राजेश सिंह के मुताबिक देह व्यापार और सामूहिक दुष्कर्म के आरोपी को पकड़ा गया है। 25 फरवरी को एक महिला ने आरोपियों पर उनकी बेटी को जबरन अपने साथ रखने, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने और देह व्यापार कराने की एफआईआर दर्ज कराई थी। छानबीन के दौरान

सात अप्रैल को पुलिस ने गिरोह में काम करने वाली मेनका तिवारी और अरुण तिवारी को गिरफ्तार किया था। इसके बाद 19 अप्रैल को एक अन्य साथी तनु सिंह को भी गिरफ्तार किया गया था। अरमान की तलाश में पुलिस उसके मूल जनपद गोंडा भी गई थी।

बुधवार को मुखबिर की सूचना पर उसे पक्का पुल के पास से पकड़ लिया गया।

नहीं थम रहा अजीबो गरीब शादियों का सिलसिला, तीन बच्चों की मां ने प्रेमी संग लिए फेरे, खूब बरसाया प्यार

लखनऊ। बसखारी क्षेत्र में तीन बच्चों की मां ने अपने प्रेमी के साथ विवाह कर लिया। इसके पहले जिले में एक महिला ने रिश्ते में अपना पोता लगने वाले युवक से विवाह कर लिया था। अंबेडकरनगर के बसखारी क्षेत्र में अजीबोगरीब शादियां होने का सिलसिला जारी है। अभी दो सप्ताह पहले एक 52 साल की महिला ने अपने रिश्ते में पोते लगने वाले 28 साल के युवक से शादी की थी। यह प्रकरण आज भी सुर्खियों में बना हुआ है। अब यहां की एक महिला ने अपने पति और तीन बच्चों को छोड़कर अपने प्रेमी के साथ शादी कर एक नई चर्चा को जन्म दे दिया है। ताजा मामला बसखारी के ग्राम घुन्नेपुर गांव का सामने आया है।

अजय निकला जावेद... तबाह हो गई एक और जिंदगी, फर्जी पहचान से शादी की और किया यौन शोषण

संवाददाता

लखनऊ। पीड़ित युवती ने बताया कि जावेद हिंदू लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाता है और फिर उनका यौन शोषण करता है। युवती की एक कॉल ने आरोपी के सारे राज खोल दिए और पता चला कि वो जावेद नहीं अजय है। बहराइच के नाजारिपुरा निवासी शादीशुदा प्राइवेट चालक जावेद खान फर्जी आधार कार्ड बनाकर अजय यादव बनाया गया। आरोप है कि उसने अजय बनकर जानकीपुरम की युवती को प्यार के जाल में फंसाकर यौन शोषण किया, फिर गर्भपात करवा दिया। सच सामने आने पर आरोपी जावेद ने पीड़िता पर धर्म परिवर्तन का दबाव डाला। विरोध करने पर आरोपी समेत उसकी पत्नी, दो सालों और दोस्तों ने धमकाया। पीड़िता ने सभी के खिलाफ जानकीपुरम थाने में केस दर्ज कराया है। मूलरूप से मड़ियांव की रहने वाली पीड़िता मौजूदा समय में किराये के मकान में जानकीपुरम इलाके में रह रही हैं। उनके मुताबिक वर्ष 2021 में विकास नगर सेक्टर–1 निवासी अजय यादव से उनकी पहली मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों की फोन पर बात होने लगी। अजय ने शादी करने की बात कही तो युवती ने इन्कार कर दिया। आरोपी ने खुद को युवती की जाति का और अविवाहित होने का दावा किया। इस पर वह राजी हो

गईं। 23 जुलाई 2022 को दोनों ने पुरनिया स्थित आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली।युवती का आरोप है कि पांच–छह महीने के बाद से आरोपी अजय उनसे दूर रहने लगा। बताया कि पेशे से ड्राइवर है और अधिकतर शहर से बाहर रहता है। सितंबर 2024 में अजय उन्हें छठामील स्थित डॉक्टर के पास ले गया और खून की कमी होने की बात कहते हुए गर्भपात की दवा खिला दी। इससे उनका गर्भपात हो गया। अजय फिर नौकरी की बात कहकर चला गया। अजय को फोन किया तो पत्नी परवीन ने उठाया, तब सामने आया सच पीड़िता का कहना है कि एक दिन उन्होंने अजय को कॉल की तो फोन किसी परवीन नाम की महिला ने उठाया और बताया कि यह नंबर उसके पति जावेद का है। कुछ देर के बाद अजय जब घर पहुंचा तो पीड़िता ने परवीन के बारे में सवाल किया। आरोपी आनाकानी करने लगा। दोनों के बीच झगड़ा भी हुआ। अंत में अजय ने बताया कि उसका असली नाम जावेद खान है और परवीन बेबी उसकी पत्नी है। उसके तीन बच्चे हैं। साथ रहना है तो धर्म परिवर्तन करना होगा पीड़िता का आरोप है कि अजय उर्फ जावेद ने साथ रखने के लिए धर्म परिवर्तन व मीट खाने का दबाव बनाया। मना करने पर मारपीट की। यही नहीं, आरोपी जावेद, उसकी पत्नी परवीन, दो सालों इरफान, शानू और जावेद के दोस्तों ने उन्हें कॉल कर कई बार धमकी दी और गाली–गलौज की। पीड़िता का आरोप है कि जावेद का मकसद भोली–भाली हिंदू लड़कियों को फंसाना और यौन शोषण कर उन्हें छोड़ देना है। सोमवार को पीड़िता ने आरोपियों के खिलाफ दुष्कर्म, जालसाजी, उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियिम 2021 सहित अन्य कई धाराओं में केस दर्ज कराया है। एसीपी अलीगंज धर्मेंद्र रघुवंशी ने बताया कि जावेद की तलाश में दबिश दी गई, पर वह मिला नहीं। जल्द पीड़िता का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया जाएगा। पहले भी सामने आ चुके हैं मामले 27 जनवरी 2025 – निजी संस्थान के निदेशक की बहन को प्यार के जाल में फंसाकर गोरखपुर निवासी चौधरी शहबान अली ने धर्म परिवर्तन का बनाया दबाव। लाखों रुपये भी हड़पे। पारा थाने में एफआईआर। 7 मार्च 2025 – जानकीपुरम की महिला से अयोध्या निवासी रियल एस्टेट कारोबारी आमिर खान ने पहले डेढ़ लाख रुपये लिए और फिर चिनहट स्थित दफ्तर बुलाकर दुष्कर्म किया। वीडियो बनाकर शोषण किया। आरोपी ने पीड़ित को मुस्लिम युवक से शादी या फिर 10 हिंदू युवतियों का धर्म परिवर्तन कराने का दबाव डाला। चिनहट पुलिस ने केस दर्ज किया था। 8 मार्च 2025– गुडंबा की युवती को शादी का झांसा देकर दूसरे धर्म के इंडेन एन्क्लेव कुर्सी रोड निवासी मो. अरशद सिद्दीकी ने दुष्कर्म किया। फिर शादी करने के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। युवती ने इन्कार किया तो मारपीट की। युवती ने आरोपी, उसके माता पिता और बहन के खिलाफ केस दर्ज कराया था। 24 जुलाई 2024– गुडंबा निवासी एक युवती को शादी का झांसा देकर दूसरे धर्म के फुआज ने यौन शोषण किया। फिर शादी के लिए धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया। युवती के मना करने पर युवक के परिजनों ने उसे धमकाया। पीड़िता ने केस दर्ज कराया था।

पर्चा देरी से बनने पर तीमारदार ने किया हंगामा

लखनऊ। लखनऊ स्थित लोकबंधु अस्पताल में पर्चा बनाने में देरी होने से नाराज तीमारदारों ने हंगामा करते हुए तोड़फोड़ और कर्मचारियों से मारपीट की। पुलिस ने सीएमएस की तहरीर पर एफआईआर दर्ज किया है। बाराबीरवा स्थित स्थित लोकबंधु अस्पताल की इमरजेंसी में भाई का इलाज कराने आए तीमारदारों ने सर्वर सुस्त होने के कारण पर्चा बनने में देरी होने पर हंगामा शुरू कर दिया। आरोपी ने अस्पताल के भीतर तोड़फोड़ भी की। शिकायत पर कृष्णानगर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि सीएमएस की शिकायत पर दोनों भाइयों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा पहुंचाने एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान व मारपीट की एफआईआर दर्ज की गई है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरूण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।
सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।